title: अध्याय: लिंग, धर्म और जाति draft: false parent: social-science-civics weight: 3

2. जाति और सामाजिक विभाजन

जाति-आधारित भेदभाव और सकारात्मक कार्रवाई (जैसे, आरक्षण)

- **जाति व्यवस्था**: भारत में एक ऐतिहासिक सामाजिक पदानुक्रम, जहां लोगों को **वर्णों** (ब्राह्मण, क्षत्रिय, वैश्य, शूद्र) और **उप-जातियों** (जातियों) में विभाजित किया गया है।
- **जाति-आधारित भेदभाव**:
- **उदाहरण**: अस्पृश्यता, शिक्षा से वंचित करना, और सामाजिक स्थानों से बहिष्कार।
- **एनसीईआरटी उदाहरण**: दलितों (पूर्व में "अस्पृश्य") ने चरम भेदभाव का सामना किया।
- **सकारात्मक कार्रवाई (आरक्षण)**:
- **उद्देश्य**: ऐतिहासिक रूप से हाशिए पर रहे समूहों (एससी, एसटी, ओबीसी) को **समान अवसर** प्रदान करना।
- **कार्यान्वयन**:
  - **अनुच्छेद 15(4)**: शिक्षा और रोजगार में आरक्षण।
  - **अनुच्छेद 16(4)**: सरकारी नौकरियों में एससी/एसटी के लिए आरक्षण।
- **उदाहरण**: **मंडल आयोग (1980)** ने अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के लिए 27% आरक्षण की सिफारिश की।
- **परीक्षा टिप**: सकारात्मक कार्रवाई और **आरक्षण नीतियों** की भूमिका के लिए **अनुच्छेद 15 और 16** याद रखें।

3. धर्म और सामाजिक विभाजन

धार्मिक संघर्ष और धर्मनिरपेक्षता की भूमिका

- **धर्मनिरपेक्षता**: एक **सिद्धांत** जहां राज्य सभी धर्मों के साथ समान व्यवहार करता है और किसी धर्म का पक्ष नहीं लेता है।
- **उदाहरण**: भारत की **धर्मनिरपेक्षता** संविधान के **अनुच्छेद 25–28** में निहित है।
- **धार्मिक संघर्ष**:
- **उदाहरण**: हिंदू-मुस्लिम तनाव के कारण भारत का विभाजन (1947)।
- **एनसीईआरटी उदाहरण**: **बाबरी मस्जिद विवाद** (1992) ने धार्मिक संघर्षों को उजागर किया।
- **राज्य की भूमिका**:
- शिक्षा और कानूनों के माध्यम से **धार्मिक सद्भाव** को बढ़ावा दें (जैसे, **सांप्रदायिक और राजद्रोही गतिविधियों की रोकथाम अधिनियम**)।
- **भारत में धर्मनिरपेक्षता**: पश्चिमी देशों के विपरीत, भारत की धर्मनिरपेक्षता में **धर्मों की राज्य द्वारा मान्यता** शामिल है (जैसे, मंदिरों, मस्जिदों के लिए धन)।
- **परीक्षा टिप**: **धर्मनिरपेक्षता** और **धर्म-आधारित शासन** (जैसे, पाकिस्तान बनाम भारत) के बीच अंतर करें।

© 2023-2025 Copyright SATHEE

4. लिंग और सामाजिक विभाजन

लैंगिक असमानता और इसे संबोधित करने के प्रयास (जैसे, कानून, शिक्षा)

- **लैंगिक असमानता**:
- **उदाहरण**: महिलाओं को शिक्षा, रोजगार और राजनीतिक प्रतिनिधित्व में भेदभाव का सामना।
- **एनसीईआरटी उदाहरण**: **साक्षरता दरें** (2011): पुरुषों के लिए 65% बनाम महिलाओं के लिए 54%।
- **लैंगिक असमानता को संबोधित करने वाले कानून**:
- **अनुच्छेद 14** (समानता) और **अनुच्छेद 15(3)** (महिलाओं के खिलाफ भेदभाव का निषेध)।
- **प्रमुख अधिनियम**:
  - **दहेज प्रतिषेध अधिनियम (1961)**: दहेज-संबंधी उत्पीड़न पर प्रतिबंध लगाया।
  - **महिलाओं को घरेलू हिंसा से संरक्षण अधिनियम (2005)**: महिलाओं के लिए कानूनी सुरक्षा।
- **शिक्षा का अधिकार अधिनियम (2009)**: लड़कियों के लिए मुफ्त और अनिवार्य शिक्षा।
- **परीक्षा टिप**: लैंगिक समानता के लिए **अनुच्छेद 14 और 15** और **दहेज अधिनियम** जैसे कानूनों पर ध्यान दें।

5. सामाजिक विभाजनों से कैसे निपटें

समावेशिता, संवाद और समान अवसरों को बढ़ावा देना

- **समावेशिता**:
- सुनिश्चित करें कि सभी समूहों (जाति, धर्म, लिंग) को संसाधनों की **समान पहुंच** हो।
- **उदाहरण**: **आरक्षण नीतियाँ** और शिक्षा में **लैंगिक कोटा**।
- **संवाद**:
- गलतफहमियों को कम करने के लिए **अंतर-समुदाय वार्तालाप** को प्रोत्साहित करें।
- **एनसीईआरटी उदाहरण**: **ग्राम पंचायतें** (गाँव परिषद) स्थानीय संवाद को बढ़ावा देती हैं।
- **समान अवसर**:
- **शिक्षा**: साक्षरता अंतर को कम करें (जैसे, **शिक्षा का अधिकार अधिनियम**)।
- **रोजगार**: एससी/एसटी और महिलाओं के लिए सकारात्मक कार्रवाई।
- **परीक्षा टिप**: **सामाजिक विभाजनों** को **लोकतांत्रिक समाधानों** जैसे कानूनों, शिक्षा और समावेशी नीतियों से जोड़ें।

महत्वपूर्ण बिंदु सारांश:
- **लोकतंत्र कानूनों, शिक्षा और समावेश** के माध्यम से सामाजिक विभाजनों का प्रबंधन करता है।
- **सकारात्मक कार्रवाई** (आरक्षण) **जाति-आधारित भेदभाव** को संबोधित करती है।
- **धर्मनिरपेक्षता** भारत में **धार्मिक समानता** सुनिश्चित करती है।
- **लैंगिक समानता** के लिए **कानूनों, शिक्षा और जागरूकता** की आवश्यकता होती है।
- सामाजिक विभाजनों के **समाधान** में **संवाद, समावेशिता और समान अवसर** शामिल हैं।

© 2023-2025 Copyright SATHEE

संभावित परीक्षा प्रश्न:
1. बताएं कि लोकतंत्र सामाजिक विभाजनों से कैसे निपटता है।
2. सकारात्मक कार्रवाई क्या है और भारत में इसे कैसे लागू किया जाता है?
3. भारत के लोकतंत्र में धर्मनिरपेक्षता की भूमिका का वर्णन करें।
4. भारत में लैंगिक असमानता को संबोधित करने के लिए क्या उपाय किए गए हैं?
5. समावेशी नीतियों के माध्यम से सामाजिक विभाजनों को कैसे हल किया जा सकता है?

सूत्र/अवधारणाएं:
- **अनुच्छेद 14**: कानून के समक्ष समानता।
- **अनुच्छेद 15**: भेदभाव का निषेध।
- **अनुच्छेद 25–28**: संविधान में धर्मनिरपेक्षता।
- **आरक्षण नीतियां**: शिक्षा और नौकरियों में एससी/एसटी/ओबीसी कोटा।

{}

लोकतंत्र सामाजिक विभाजनों का प्रबंधन कैसे करता है?

1. [x] समावेशी शासन और समानता को बढ़ावा देने वाले कानूनों के माध्यम से
2. [ ] समूहों के बीच विभाजन को बढ़ावा देकर
3. [ ] सामाजिक मतभेदों को नज़रअंदाज़ करके
4. [ ] कड़े धार्मिक प्रथाओं को लागू करके

भारत में आरक्षण नीतियों का प्राथमिक उद्देश्य क्या है?

1. [x] ऐतिहासिक रूप से वंचित समूहों को समान अवसर प्रदान करना
2. [ ] विशिष्ट समुदायों के लिए आर्थिक विकास को बढ़ावा देना
3. [ ] जाति-आधारित पदानुक्रम को लागू करना
4. [ ] राजनीतिक प्रतिनिधित्व को प्रतिबंधित करना

भारत के लोकतंत्र में धर्मनिरपेक्षता के केंद्रीय सिद्धांत क्या है?

1. [x] राज्य किसी भी धर्म का पक्ष लिए बिना सभी धर्मों के साथ समान व्यवहार करता है
2. [ ] राज्य सक्रिय रूप से एक धर्म को बढ़ावा देता है
3. [ ] राज्य केवल हिंदू मंदिरों को वित्त पोषित करता है
4. [ ] राज्य सभी धार्मिक प्रथाओं को प्रतिबंधित करता है

© 2023-2025 Copyright SATHEE

भारत में लैंगिक असमानता का सब्रे अउउोदाहर्हण कौन सा हैं?

1. [x] साक्षरता दर में पुरुषों और महिलाओं के बीच 11% का अंतर
2. [ ] सभी क्षेत्रों में समान कार्य के लिए समान वेतन
3. [ ] महिलाओं के लिए पूर्ण राजनीतिक प्रतिनिधित्व
4. [ ] सभी लिंगों के लिए शिक्षा की सार्वभौमिक पहुँच

भारतीय संविधान का कौन सा अनुच्छेद महिलाओं के खिलाफ भेदभाव को प्रतिबंधित करता है?

1. [x] अनुच्छेद 15(3)
2. [ ] अनुच्छेद 14
3. [ ] अनुच्छेद 25
4. [ ] अनुच्छेद 32

अनुसूचित जाति/जनजाति के लिए सरकारी नौकरियों में आरक्षण का प्रावधान कौन सा अनुच्छेद करता है?

1. [x] अनुच्छेद 16(4)
2. [ ] अनुच्छेद 15(4)
3. [ ] अनुच्छेद 25
4. [ ] अनुच्छेद 330

सामाजिक विभाजनों को संबोधित करने में ग्राम पंचाअुदाहरण्राटों की क्या भूतमिका हैं?

1. [x] स्थानीय संवाद और समावेशिता को बढ़ावा देना
2. [ ] जाति-आधारित भेदभाव को लागू करना
3. [ ] धार्मिक प्रथाओं को प्रतिबंधित करना
4. [ ] आर्थिक असमानता को प्राथमिकता देना

भारत की धर्मनिरपेक्षता पश्चिमी देशों की धर्मनिरपेक्षता से किस प्रकार भिन्न है?

1. [x] भारत की धर्मनिरपेक्षता में धर्मों की राज्य द्वारा मान्यता समाहित है
2. [ ] भारत की धर्मनिरपेक्षता एक धर्म का पक्ष लेती है
3. [ ] भारत की धर्मनिरपेक्षता सभी धार्मिक प्रथाओं को प्रतिबंधित करती है
4. [ ] भारत की धर्मनिरपेक्षता धार्मिक शासन पर आधारित है

© 2023-2025 Copyright SATHEE

महिलाओं के विरुद्ध घरेलू हिंसा को संबोधित करने के लिए कौन सा अधिनियम हप्रस्तुत किया गया था?

1. [x] महिलाओं को घरेलू हिंसा से संरक्षण अधिनियम (2005)
2. [ ] दहेज प्रतिषेध अधिनियम (1961)
3. [ ] शिक्षा का अधिकार अधिनियम (2009)
4. [ ] भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम

लोकतंत्र में सामाजिक विभाजनों को हल करने का मुख्य समाधान क्या है?

1. [x] समावेशिता और समान अवसरों को बढ़ावा देना
2. [ ] वंचित समूहों के बहिष्कार को प्रोत्साहित करना
3. [ ] ऐतिहासिक असमानताओं को नज़रअंदाज़ करना
4. [ ] सामाजिक समानता पर धार्मिक समानता को प्राथमिकता देना {}

SATHEE

© 2023-2025 Copyright SATHEE